NEXT IAS

दैनिक संपादकीय विश्लेषण

विषय

'EndTB' के लिए भारत की कलिन राह

'EndTB' के लिए भारत की कठिन राह

संदर्भ

- महत्वाकांक्षी EndTB अभियान के तहत 2025 तक तपेदिक (TB) को समाप्त करने की दिशा में भारत की यात्रा चुनौतियों और जटिलताओं से भरी हुई है।
- महत्त्वपूर्ण प्रगति के बावजूद, विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने का मार्ग कठिन एवं जटिल बना हुआ है।

ट्यूबरकुलोसिस (TB) का परिचय

- यह एक संक्रामक रोग है जो प्रायः फेफड़ों को प्रभावित करता है और माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस नामक बैक्टीरिया के कारण होता है।
  - यह संक्रमित लोगों के खांसने, छींकने या थूकने से हवा के माध्यम से फैलता है।
- यह विश्व का सबसे बड़ा संक्रामक रोग है। यह HIV से पीड़ित लोगों में मृत्यु का प्रमुख कारण है और रोगाणुरोधी प्रतिरोध से जुड़ी मौतों में इसका प्रमुख योगदान है।
- **उपचार:** इसे एंटीबायोटिक दवाओं से रोका जा सकता है और इसका उपचार किया जा सकता है।
  - **TB का टीका:** बैसिलस कैलमेट-गुएरिन (BCG) टीका TB के खिलाफ एकमात्र लाइसेंस प्राप्त टीका है; यह शिशुओं और छोटे बच्चों में TB (TB मेनिनजाइटिस) के गंभीर रूपों के विरुद्ध मध्यम सुरक्षा प्रदान करता है।

भारत में TB का भार

- WHO की वैश्विक क्षय रोग रिपोर्ट 2024 के अनुसार, भारत वैश्विक TB के भार में सबसे आगे है, जो सभी TB मामलों और मृत्युओं का 26% है, और दवा प्रतिरोधी TB (DR-TB) का केंद्र बना हुआ है।
- भारत के बाद इंडोनेशिया (10%), चीन (6.8%), फिलीपींस (6.8%) और पाकिस्तान (6.3%) का स्थान है।
- बहु-दवा प्रतिरोधी TB: भारत विश्व के बहु-दवा प्रतिरोधी TB मामलों का 27% प्रतिनिधित्व करता है।

WHO की 'EndTB' रणनीति

- इसका लक्ष्य 2030 तक TB से होने वाली मृत्युओं में 90% की कमी, नए मामलों में 80% की कमी लाना तथा TB से प्रभावित परिवारों को विनाशकारी लागत का सामना न करना पड़े, ऐसा करना है।

VISION	**A world free of tuberculosis** – zero deaths, disease and suffering due to tuberculosis			
GOAL	**End the global tuberculosis epidemic**			
INDICATORS	**MILESTONES**		**TARGETS**	
	2020	**2025**	**SDG 2030**	**END TB 2035**
Reduction in number of TB deaths compared with 2015 (%)	35%	75%	90%	95%
Reduction in TB incidence rate compared with 2015 (%)	20% (<85/100 000)	50% (<55/100 000)	80% (<20/100 000)	90% (<10/100 000)
TB-affected families facing catastrophic costs due to TB (%)	Zero	Zero	Zero	Zero

- संयुक्त राष्ट्र SDG में लक्ष्य 3 के अंतर्गत 2030 तक TB महामारी को समाप्त करना शामिल है।
    - SDG लक्ष्य 3.3: इसका उद्देश्य '2030 तक एड्स, तपेदिक, मलेरिया और उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोगों की महामारियों को समाप्त करना और हेपेटाइटिस, जल जनित रोगों और अन्य संचारी रोगों से लड़ना' है।

भारत के विशिष्ट लक्ष्य और प्रदर्शन

- भारत ने 2025 तक त्वरित समयसीमा में इन लक्ष्यों को प्राप्त करने का संकल्प लिया था, लेकिन कोविड-19 महामारी ने इन प्रयासों में काफी बाधा उत्पन्न की।
- 2015 से 2023 के बीच TB के मामलों में केवल 18% की कमी आई है, जबकि 2025 तक 50% की कमी लाने का लक्ष्य रखा गया है।
    - TB से होने वाली मृत्युओं में 24% की कमी आई है, जबकि 2025 तक 75% की कमी लाने का लक्ष्य रखा गया है।

INDIA'S TUBERCULOSIS REPORT

	2021	2022	2023
Estimated TB cases (in lakh)	29.6	28.2	28
Share of global burden	28%	27%	26%
Mortality (in lakh)	4.94	3.31	3.15
Share of global deaths	36%	26%	29%
Drug resistant TB (in lakh)	1.19	1.10	1.10
Share of global cases	26%	27%	27%

Source: WHO's Global TB reports

TB मुक्त भारत की ओर

- **राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम (NTEP):** यह 2025 के अंत तक WHO के लक्ष्यों को प्राप्त करने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य में सबसे आगे रहा है, लेकिन कोविड-19 महामारी ने इन प्रयासों में काफी बाधा डाली है।
    - यह TB उन्मूलन (2017-2025) के लिए राष्ट्रीय रणनीतिक योजना (NSP) को लागू कर रहा है।
- **NTEP की प्रमुख उपलब्धियाँ:**
    - **TB की घटनाओं में कमी:** भारत ने 2015 से 2023 तक TB की घटनाओं में उल्लेखनीय 17.7% की गिरावट दर्ज की है, जो वैश्विक औसत गिरावट 8.3% से अधिक है।
    - **विस्तारित डायग्नोस्टिक पहुँच:** 2023 में, भारत ने लगभग 1.89 करोड़ स्पुतम स्मीयर परीक्षण और 68.3 लाख न्यूक्लिक एसिड प्रवर्धन परीक्षण किए, जो प्रारंभिक निदान तक पहुँच का विस्तार करने के लिए कार्यक्रम की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।
    - **कम समय की उपचार व्यवस्था:** दवा प्रतिरोधी TB (DR-TB) के लिए नई, कम समय की उपचार व्यवस्था की शुरूआत ने उपचार अनुपालन में सुधार किया है और लंबे समय तक चलने वाले उपचार के बोझ को कम किया है।

संशोधित राष्ट्रीय क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम (RNTCP)

- **प्रधानमंत्री TB मुक्त भारत अभियान (PMTBMBA):** TB से पीड़ित लोगों को अतिरिक्त पोषण, नैदानिक और व्यावसायिक सहायता प्रदान करना।
- **निक्षय पोर्टल:** इसे अधिसूचित TB मामलों को ट्रैक करने के लिए स्थापित किया गया है।
    - निक्षय पोषण योजना के तहत प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (DBT) लगभग 1 करोड़ लाभार्थियों को लगभग 2,781 करोड़ रुपये वितरित करके TB रोगियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

- विशेष रूप से, 1.5 लाख से अधिक निक्षय मित्रों ने TB से प्रभावित व्यक्तियों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्धता जताई है।
- निक्षय साथी (पारिवारिक देखभालकर्ता मॉडल) रोगी सहायता प्रणालियों को और बेहतर बनाने के लिए।

- **सार्वभौमिक औषधि संवेदनशीलता परीक्षण (DST):** TB के दवा प्रतिरोधी उपभेदों की समय रहते पहचान करना और उसके अनुसार उपचार तैयार करना।
- **नई दवाएँ:** दवा प्रतिरोधी TB के उपचार के लिए बेडाक्विलाइन और डेलामानिड को TB रोगियों को मुफ्त प्रदान की जाने वाली सरकारी दवाओं की सूची में शामिल किया गया है।

बुनियादी स्तर पर चुनौतियाँ

- **कुपोषण और सह-रुग्णताएँ:** उच्च जोखिम वाले समूह, जैसे कि सिलिकोसिस, कुपोषण, भीड़भाड़, एवं मधुमेह, शराब के सेवन संबंधी विकार और धूम्रपान जैसी सह-रुग्णताएँ, TB के लिए विशेष रूप से असुरक्षित हैं।
- **प्रवासी श्रमिक:** स्वास्थ्य सेवा तक खराब पहुँच और अपने मूल स्थानों पर वापस जाने पर उपचार जारी रखने में कठिनाई के कारण उन्हें अतिरिक्त चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।
- **आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान:** 2023 में आपूर्ति श्रृंखला में देशव्यापी रुकावट के कारण प्रमुख दवाओं की कमी हो गई, जिससे उपचार बाधित हुआ और एंटीबायोटिक प्रतिरोध का जोखिम उत्पन्न हुआ।
- **निदान में देरी:** निदान क्षमताओं का विस्तार करने के प्रयासों के बावजूद, निदान में देरी एक महत्त्वपूर्ण चुनौती बनी हुई है।
  - जबकि NTEP का मुख्य ध्यान फुफ्फुसीय TB पर रहा है, एक्स्ट्रापल्मोनरी TB (EP-TB), जो फेफड़ों के अतिरिक्त अन्य अंगों को प्रभावित करती है, अधिसूचित मामलों का लगभग 24% है।
  - अन्य बीमारियों से मिलते-जुलते अस्पष्ट लक्षणों के कारण EP-TB का प्रायः पता नहीं चल पाता या विलंब से निदान हो पाता है।

आगे की राह

- **बहुक्षेत्रीय दृष्टिकोण:** TB से निपटने के लिए बहुक्षेत्रीय दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जिसमें न केवल कुपोषण बल्कि प्रत्येक भूगोल में अन्य योगदानकारी कारकों को संबोधित किया जाना चाहिए।
- **सामुदायिक सहभागिता:** सफल हस्तक्षेपों ने TB लक्ष्यों को प्राप्त करने में सामुदायिक भागीदारी और समर्थन के महत्त्व को दर्शाया है।
  - केरल में महिलाओं के स्वयं सहायता नेटवर्क कुदुम्बश्री के साथ सहयोग जैसे सफल हस्तक्षेपों ने TB लक्ष्यों को प्राप्त करने में सामुदायिक भागीदारी और समर्थन के महत्त्व को दर्शाया है।
- **निरंतर राजनीतिक प्रतिबद्धता:** भारत सरकार द्वारा दिखाई गई मजबूत राजनीतिक प्रतिबद्धता, जिसमें '2025 तक TB को समाप्त करना' लक्ष्य की पुनः पुष्टि शामिल है, निरंतर प्रगति के लिए महत्त्वपूर्ण है।

निष्कर्ष

- भारत की 'TB को समाप्त करने' की यात्रा विश्व की सबसे बड़ी स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक से निपटने के लिए देश की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।
- हालांकि यह रास्ता बाधाओं से भरा है, लेकिन WHO द्वारा निर्धारित महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास, बहुक्षेत्रीय कार्रवाई और सामुदायिक भागीदारी महत्त्वपूर्ण हैं।

Source: TH

■■■■

दैनिक मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न. क्षय रोग से लड़ने के लिए भारत के प्रयासों की चुनौतियों और सफलताओं पर चर्चा कीजिए, स्वास्थ्य के सामाजिक निर्धारकों, सरकारी नीतियों और सामुदायिक भागीदारी के प्रभाव का विश्लेषण करते हुए 'TB को समाप्त' करने के लक्ष्य की दिशा में देश की प्रगति पर प्रभाव डालिए।